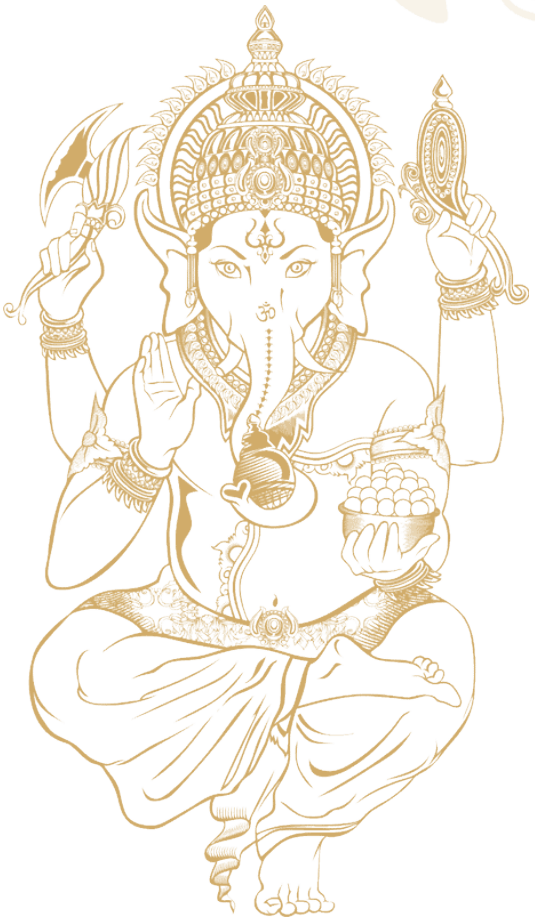

12 Oct 1980

10:45 PM

Dehradun

Model: web-freekundliweb

Order No: 121130515

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**12/10/1980**
दिन	रविवार
जन्म समय	**22:45:00 घंटे**
इष्ट	41:07:23 घटी
स्थान	**Dehradun**
राज्य	Uttarakhand
देश	India

अक्षांश	30:19:00 उत्तर
रेखांश	78:03:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:27:12 घंटे
वेलान्तर	00:13:31 घंटे
साम्पातिक काल	23:52:56 घंटे
सूर्योदय	06:18:02 घंटे
सूर्यास्त	17:50:10 घंटे
दिनमान	11:32:08 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	25:56:44 कन्या
लग्न के अंश	17:57:50 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 1**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	आयुष्मान
करण	वणिज
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ना-नवीन
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	17:57:50	315:34:10	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	सूर्य	---
सूर्य			कन्या	25:56:44	00:59:25	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	सम राशि
चंद्र			वृश्चि	05:13:39	12:00:44	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	नीच राशि
मंगल			वृश्चि	06:44:08	00:42:44	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	स्वराशि
बुध			तुला	20:54:29	00:54:25	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	मित्र राशि
गुरु			कन्या	03:26:11	00:12:29	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	15:23:54	01:10:04	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
शनि			कन्या	09:01:57	00:07:14	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		कर्क	24:25:04	00:09:45	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		मक	24:25:04	00:09:45	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	शत्रु राशि
हर्ष			वृश्चि	00:07:08	00:03:14	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	---
नेप			वृश्चि	26:47:10	00:01:19	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	---
प्लूटो			कन्या	28:01:22	00:02:24	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	---
दशम भाव			मीन	04:28:53	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:35:06

लग्न-चलित

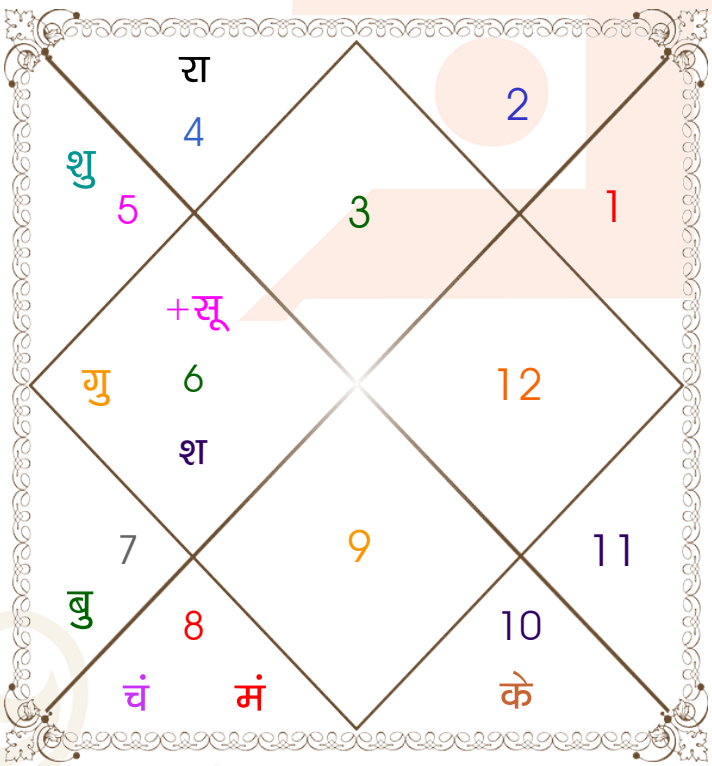

चन्द्र कुंडली

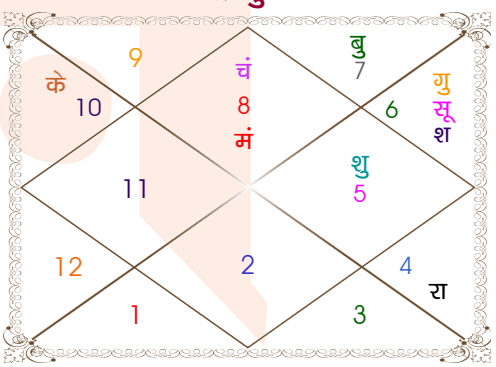

नवमांश कुंडली

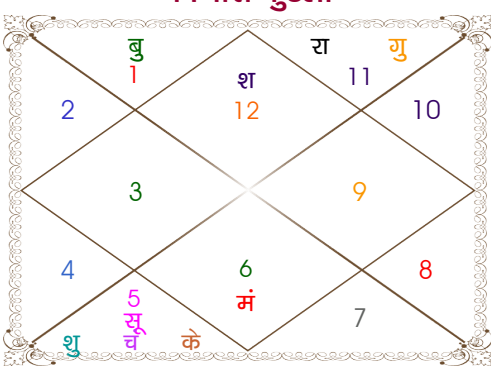

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 16 वर्ष 3 मास 18 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
12/10/1980		30/01/1997		31/01/2014		30/01/2021		30/01/2041	
30/01/1997		31/01/2014		30/01/2021		30/01/2041		31/01/2047	
शनि	02/02/1981	बुध	29/06/1999	केतु	29/06/2014	शुक्र	01/06/2024	सूर्य	20/05/2041
बुध	13/10/1983	केतु	25/06/2000	शुक्र	29/08/2015	सूर्य	01/06/2025	चंद्र	19/11/2041
केतु	21/11/1984	शुक्र	26/04/2003	सूर्य	04/01/2016	चंद्र	31/01/2027	मंगल	26/03/2042
शुक्र	22/01/1988	सूर्य	01/03/2004	चंद्र	04/08/2016	मंगल	01/04/2028	राहु	18/02/2043
सूर्य	03/01/1989	चंद्र	01/08/2005	मंगल	31/12/2016	राहु	02/04/2031	गुरु	07/12/2043
चंद्र	04/08/1990	मंगल	29/07/2006	राहु	18/01/2018	गुरु	01/12/2033	शनि	18/11/2044
मंगल	13/09/1991	राहु	15/02/2009	गुरु	25/12/2018	शनि	30/01/2037	बुध	25/09/2045
राहु	20/07/1994	गुरु	23/05/2011	शनि	03/02/2020	बुध	01/12/2039	केतु	31/01/2046
गुरु	30/01/1997	शनि	31/01/2014	बुध	30/01/2021	केतु	30/01/2041	शुक्र	31/01/2047

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
31/01/2047		30/01/2057		31/01/2064		31/01/2082		31/01/2098	
30/01/2057		31/01/2064		31/01/2082		31/01/2098		00/00/0000	
चंद्र	01/12/2047	मंगल	28/06/2057	राहु	13/10/2066	गुरु	20/03/2084	शनि	13/10/2100
मंगल	01/07/2048	राहु	17/07/2058	गुरु	08/03/2069	शनि	01/10/2086		00/00/0000
राहु	31/12/2049	गुरु	23/06/2059	शनि	13/01/2072	बुध	06/01/2089		00/00/0000
गुरु	02/05/2051	शनि	01/08/2060	बुध	01/08/2074	केतु	13/12/2089		00/00/0000
शनि	30/11/2052	बुध	29/07/2061	केतु	20/08/2075	शुक्र	13/08/2092		00/00/0000
बुध	02/05/2054	केतु	25/12/2061	शुक्र	19/08/2078	सूर्य	01/06/2093		00/00/0000
केतु	01/12/2054	शुक्र	24/02/2063	सूर्य	14/07/2079	चंद्र	01/10/2094		00/00/0000
शुक्र	01/08/2056	सूर्य	02/07/2063	चंद्र	12/01/2081	मंगल	07/09/2095		00/00/0000
सूर्य	30/01/2057	चंद्र	31/01/2064	मंगल	31/01/2082	राहु	31/01/2098		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 16 वर्ष 3 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।